

प्रेषक,

सुनीलश्री पांथरी
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून:

दिनांक: 05 सितम्बर, 2011

विषय- वित्तीय वर्ष 2011-12 में राजकीय स्वायत्ता प्राप्त चिकित्सालयों के प्रबन्धन व्यवस्था एवं राज्य एड्स कार्यक्रम के अन्तर्गत सहायता हेतु धनराशि आवंटित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 5प/1/25/2011-12/26148 दिनांक 18-08-2011 एवं पत्र संख्या 12प/एन0पी0/यू0एस0ए0सी0एस0/एस0बी0टी0सी0/स्टेट ग्रांट/2011-12/1244 दिनांक 22.06.2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय स्वायत्ता प्राप्त चिकित्सालयों के प्रबन्धन एवं राज्य एड्स कार्यक्रम के अन्तर्गत सहायता हेतु संलग्नक में अंकित विवरणानुसार आयोजनागत मद में क्रमशः ₹ 50.00 लाख एवं ₹ 2.00 लाख कुल ₹ 52.00 लाख एवं (₹ बावन लाख मात्र) एवं आयोजनेत्तर मद में ₹ 562.50 लाख (₹ पांच करोड़ बासठ लाख पचास हजार मात्र) इस प्रकार कुल ₹ 614.50 लाख (₹ छः करोड़ चौदह लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त करते हुये व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृति दी जा रही है। राजकीय स्वायत्ता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान योजनान्तर्गत स्वीकृत की गयी प्रथम किस्त के सापेक्ष विभिन्न चिकित्सालयों को आवंटित धनराशि के पूर्ण व्यय होने के उपरान्त ही द्वितीय किस्त की धनराशि आवंटित की जायेगी।
2. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हों, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

3. किसी भी शासकीय व्यय हेतु Procurement Rules, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग-1 के शासनादेश संख्या-515/XXVII(1)/2008 दि० 28.07.09 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
4. यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2011 तक कर लिया जायेगा, यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष होती है तो उसे शासन को समर्पित किया जायेगा।
6. स्वीकृत धनराशि का व्यय शासनादेश सं०-209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च 2011 में निहित निर्देशों का अनुपालन करते हुये किया जायेगा एवं व्यय विवरण प्रत्येक माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशा० पत्र संख्या-154(P)/XXVII(3)/2011-12 दिनांक 01.09.2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोक्त।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव

सं०-300(1)/XXVIII-5-2011-37/2011 तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
4. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
6. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु०-3/नियोजन विभाग/एन०आई०सी०।
8. गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव

(धनराशि लाख ₹ में)

क्रम सं०	लेखाशीर्षक	आवंटित धनराशि
1	2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य – आयोजनागत	
	01 शहरी स्वास्थ्य सेवायें-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति	
	110 अस्पताल और औषधालय	
	15 राजकीय स्वायत्ता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान	
	20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	50.00
2	2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य – आयोजनागत	
	06 लोक स्वास्थ्य	
	101 रोगों का निवारण तथा नियंत्रण	
	08 राज्य एडस कार्यक्रम के अन्तर्गत सहायता	
	20 सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता	2.00
	योग-आयोजनागत	52.00
3	2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य – आयोजनेत्तर	
	01 शहरी स्वास्थ्य सेवायें- पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति	
	110 अस्पताल तथा औषधालय	
	15 राजकीय स्वायत्ता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान	
	20 सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता	412.50
4	2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य – आयोजनेत्तर	
	03 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें- पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति	
	110 अस्पताल तथा औषधालय	
	13 राजकीय स्वायत्ता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान	
	20 सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता	150.00
	योग-आयोजनेत्तर	562.50
	वृहद् योग	614.50

(₹ छः करोड़ चौदह लाख पचास हजार मात्र)

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव